

भास्कर फोटो इन्वेस्टिगेशन

बच्चे देश का भविष्य होते हैं... देश का भविष्य खतरे में है

डूंगरपुर : एसबीपी राजकीय कॉलेज पर प्राचार्य ने लिखा- बिल्डिंग जर्जर-नकारा हो चुकी; ठीक कराओ, यहां 8 हजार स्टूडेंट पढ़ते हैं

अर्पित शर्मा/निखिल शर्मा
उदयपुर-डूंगरपुर से लौटकर

झालावाड़ में स्कूल की छत गिरी है, लेकिन पूरे प्रदेश में लाखों बच्चे जर्जर, टिन शेड के सहारे टिकी छतों के नीचे जान जोखिम में लिए बैठने को मजबूर हैं। 8 हजार विद्यार्थियों वाले डूंगरपुर के श्री भोगीलाल पंड्या (एसबीपी) कॉलेज के प्रिंसिपल ने दीवार पर बिल्डिंग जर्जर होने के बोर्ड तक लगवा दिए हैं। इधर, स्कूल से लेकर कॉलेज तक में बिल्डिंगें दुरुस्त कराने के लिए बरसों से मांग बनी हुई है, प्रस्ताव भी बन रहे हैं, लेकिन काम कराने की मंजूरी नहीं मिल रही। झालावाड़ से अलग आदिवासियों जिलों में प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने 3005 'मां-बाड़ी केंद्र' खोले थे। राज्य सरकार ने पिछले साल ही ऐसे 250 स्कूल और खोलने की घोषणा कर दी, लेकिन पहले से चल रहे 1271 केंद्र टिन शेड के नीचे बल्लियों के सहारे टिके हैं या कुछ झोपड़-पट्टियों में कच्ची छतों के नीचे चल रहे हैं। 1 कमरे में 4 कक्षाएं एक साथ चल रही हैं। जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि मां-बाड़ी स्कूलों के कुछ भवन बने हैं, कुछ नहीं बने। इनके पट्टे मांगवाए हैं। इस साल 100 भवन लेंगे।

और प्रदेश के भयानक हालात
19706 स्कूलों के 47933 कमरे जर्जर हैं। इनकी मरम्मत की तुरंत जरूरत है

बेहाल: हर साल शिक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजते हैं, वहां से जो मंजूरी मिलती है, उसे देख जर्जर भवनों की मरम्मत की जाती है।

(राज्य सरकार का विधानसभा में जवाब)



- जगह: एसबीपी कॉलेज डूंगरपुर
- छात्र: 8 हजार, 11 पीजी कोर्स
- संचालित: 1965 से

स्थिति: बिल्डिंग के हिस्से गिर रहे। 2 कमरे ढह चुके। 2 साल से निर्माण के प्रस्ताव बन रहे। पहला प्रस्ताव 126 करोड़ का बना, जिसे वित्त विभाग ने रद्द किया। फिर 60 करोड़ का प्रस्ताव भी नामंजूर। अब 22 करोड़ का प्रस्ताव मंजूरी के इंतजार में है।

■ बिल्डिंग जैसी बेसिक चीज ही नहीं। बिल्डिंग पर कई जगह लिखकर चेतावनी है कि ये जर्जर, नकारा हो चुकी।
-डॉ. गणेश लाल निनामा, प्रिंसिपल

उदयपुर : बल्लियों पर टिकी हैं मां-बाड़ी स्कूलों की छत, जाने कब गिर जाए, सभी 1271 केंद्र खतरे में, यहां 35 हजार बच्चे पढ़ते हैं



- जगह: फलासिया बालिका विद्यालय उदयपुर
- छात्र: 250

स्थिति: तीन साल पहले एक कमरे की छत पूरी गिर गई। अब झालावाड़ हादसे के बाद प्राचार्य ने बोर्ड पर चेतावनी लिख दी।

-फोटो: हंसराज सननोट

- जगह: मां-बाड़ी केंद्र मांडवा, कोटड़ा
- छात्र: एक से चौथी कक्षा के 30 छात्र
- संचालित: 2017 से

स्थिति: बिल्डिंग नहीं बनी तो यह टिनशेड की छत वाला कमरा किराए पर लिया हुआ है। टिनशेड के गिरने की नीबट आई तो उसको बल्लियों के सहारे रोका हुआ है।

■ मुझे खुद को 2 महीने से तनखाह नहीं मिली है। जगह भी 250 रुपए किराए पर है।
-नारायण लाल, अध्यापक